

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकारित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 153]

मई विल्ली, सीमवार, मार्च 28, 1977/चैत्र 7, 1899

No. 153]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 28, 1977/CHAITRA 7, 1899

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th March 1977

SO. 271(E)/18A/IDRA/77—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 13(E) dated the 3rd January, 1974, namely—

In the said Order, for serial N 2 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"2 Shri C S Kalyanasundaram, General Manager (Planning), Local Head Office of State Bank of India, Bombay."

> [No. F. 2/16/73-CUC] A. K GHOSH, Addl Secy,

उद्योग मंत्रालय

(भ्रौद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1977

का० ग्रा० 271 (ग्र) 18क ग्राई० डी० ग्रार० ए० 77.—उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रिधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क द्वारा प्रदक्ष शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत संरकार के भूतपूर्व श्रौद्योगिक विकास मल्लालय के श्रादेश सख्या का० ग्रा० 13(ग्र) दिनांक 3 जनवरी 1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रर्थात् :—

जनत भादेश में कम सख्या 2 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के स्थान पर निम्निलिखित कम संख्या श्रीर प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रथांतु :---

> "2. श्री सी० एस० कल्याणासुन्दरम्, महाप्रबन्धक (योजना), स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया का स्थानीय मुख्य कार्यालय, बम्बई।"

> > [स • फा॰ 2/16/73 सी॰ यू॰ सी॰] भ्र॰ कु॰ घोष, भ्रपर सचिव।